**भारत सरकार**
**गृह मंत्रालय**
**राज्य सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या 1075**
**दिनांक 04 दिसम्बर, 2024/ 13 अग्रहायण, 1946 (शक) को उत्तर के लिए**

**प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानव जीवन और पशुधन की सुरक्षा के लिए कदम**
**1075 श्री जग्गेशः**

**क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या यह सच है कि सेल ब्रॉडकास्टिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) के कार्यान्वयन से देश के दूरदराज के इलाकों में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानव जीवन और पशुधन की हानि को कम करने में सहायता मिलेगी;**
**(ख ) क्या सरकार का अखिल भारतीय स्तर पर सेल ब्रॉडकास्टिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) को लागू करने का विचार है जो प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मोबाइल फोन उपयोगकर्ताओं को एक ध्वनि से सचेत करेगा; और**
**(ग ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार अखिल भारतीय स्तर पर सीबीएस को कितनी जल्दी लागू करेगी, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?**

**उत्तर**

**गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री**
**(श्री नित्यानंद राय)**

(क) से (ग ): सरकार ने सभी चेतावनी एजेंसियों, [भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी), भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस), रक्षा भू-सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान (डीजीआरई), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) और भारतीय वन सर्वेक्षण (एफएसआई)] को एक साथ जोड़ने के लिए 'कॉमन अलर्टिंग प्रोटोकॉल (सीएपी) आधारित इंटीग्रेटेड अलर्ट सिस्टम' का अखिल भारत आधार पर कार्यान्वयन किए जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

**राज्य सभा अता.प्र.स. 1075 दिनांक 04.12.2024**

सीएपी, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का उपयोग करके देश के आपदा चेतावनी तंत्र को आधुनिक बनाने और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए एक वेब-आधारित केंद्रीयकृत प्लेटफार्म है।

सीएपी के अंतर्गत, तटीय राज्यों सहित, सभी 36 राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के लिए भू-लक्षित प्रारंभिक चेतावनियों/आपदा अलर्ट के प्रसार के लिए सभी चेतावनी एजेंसियों का एकीकरण किया गया है, जो विभिन्न प्रसार माध्यमों जैसे एसएमएस, टीवी, रेडियो, भारतीय रेलवे, तटीय सायरन, सेल प्रसारण, इंटरनेट (आरएसएस फीड और ब्राउज़र अधिसूचना), गगन और नाविक के सैटेलाइट रिसीवर आदि के माध्यम से किया जा रहा है।

हाल की आपदाओं में इस प्रणाली का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। इस प्रणाली का उपयोग करके अब तक 4300 करोड़ से अधिक एसएमएस अलर्ट प्रसारित किए जा चुके हैं।

सेल ब्रॉडकास्ट प्रौद्योगिकी अलर्ट उपयोगकर्ताओं को ध्वनि के साथ पूर्व चेतावनी संदेश के साथ सूचित करती है। सेल ब्रॉडकास्टिंग सॉल्यूशन (सीबीएस) से मोबाइल हैंडसेट पर अलर्ट/प्रारंभिक चेतावनी संदेशों के तीव्र प्रसार में सुधार करेगा, जिससे, देश के दूरदराज के हिस्सों सहित, पूरे देश में प्राकृतिक आपदाओं के दौरान मानव जीवन और पशुधन को बचाने के लिए उचित तैयारी कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने नागरिकों को तीव्र और विश्वसनीय अलर्ट देने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर पूरे भारत में पूर्णतया सुरक्षित और फुलप्रूफ आपदा ग्रेड सेल ब्रॉडकास्ट सिस्टम के लिए एक परियोजना शुरू की है।

*******